vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 15 vad % 23 y[kuÅ] 'kfuokj 21 fl rEcj 2024 l 27 fl rEcj 2024 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

तिरुपति बालाजी स्कंकन प्रकरण में पीएम मोदी-CJI की होगी एंट्री

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि वो मौजूदा मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के इस आरोप के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखेंगे। नायडू की तरफ से कहा गया है कि वाईएसआरसीपी नेता के शासनकाल के दौरान तिरुपति मंदिर में लड्डू तैयार करने में पशु वसा का इस्तेमाल किया गया था। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार रेड्डी के हवाले से कहा कि आखिरकार, मैं खुद प्रधानमंत्री को एक पत्र लिख रहा हूं। मैं भारत के मुख्य न्यायाधीश को भी एक पत्र लिख रहा हूं। मैं उन्हें समझा रहा हूं कि चंद्रबाबू नायडू ने किस तरह तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया और ऐसा करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों की जानी चाहिए। नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति लड्डू बनाने में पशु वसा का इस्तेमाल किया गया था। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने एक वीडियो क्लिप शेयर किया नायडू यह कहते हुए नजर आ रहे

हैं कि पहले तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में 'घी' के स्थान पर शतिरुपति प्रसादमश में पशु वसा का उपयोग किया जाता था। हमें तिरुपति लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए गए घी की लैब रिपोर्ट मिली है। दोनों रिपोर्टों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एस वैल्यू के आधार पर एक विशेष वसा निर्धारित सीमा के भीतर नहीं है और यह दूध वसा नहीं है, यह घी नहीं है। यह वनस्पति तेलों का मिश्रण है, और चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें गोमांस वसा और सूअर वसा है। आंध्र प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने अपने आधिकारिक खाते से एक पोस्ट में कहा कि लड्डू मुद्दे पर मुख्यमंत्री नायडू की टिप्पणी से सभी हिंदुओं को पीड़ा हुई है। पार्टी ने राज्य सरकार से अपील की कि पिछली सरकार में हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सभी मुद्दों की तुरंत जांच की जाए। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि लड्डू बनाने में पशु चर्बी का कथित उपयोग भगवान वेंकटेश्वर में आस्था रखने वाले हिंदुओं की आस्था और विश्वास के साथ गहरा विश्वासघात है।

हाईकोर्ट ने सपा नेता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की जमानत अर्जी की खारिज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता और सपा सरकार में मंत्री रह चुके गायत्री प्रसाद प्रजापति को हाईकोर्ट की लखनऊ ने बलात्कार के एक मामले में जमानत देने से मना करते हुए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। गौरतलब हो, गायत्री प्रजापति दुराचार के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे हैं। गायत्री प्रसाद ने हाईकोर्ट में सजा के खिलाफ अपील की है। अपील विचाराधीन रहने के दौरान जमानत पर रिहा करने की मांग की थी। उक्त अपीलों में जमानत के प्रार्थना पत्रों पर न्यायालय ने १० सितम्बर को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। दरअसल, १८ फरवरी, २०१७ को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य छह अभियुक्तों के खिलाफ लखनऊ के थाना गौतमपल्ली में गैंगरेप, जानमाल की धमकी व प क्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पीड़िता की याचिका पर दिया था। पीड़िता ने गायत्री प्रजापति व उनके साथियों पर गैंगरेप का आरोप लगाते हुए अपनी नाबालिग बेटी के साथ भी जबरन शारीरिक संबध बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद १८ जुलाई, २०१७ को पॉक्सो की विशेष अदालत ने इस मामले में गायत्री

समेत सभी सात अभियुक्तों विकास, आशीष, अशोक, अमरेंद्र, चंद्रपाल व रुपेश्वर के खिलाफ आईपीसी की धारा ३७६ डी, ३५४ ए(१), ५०६, ५०४ व ५०६ में आरोप तय किया था। साथ ही गायत्री, विकास, आशीष व अशोक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा ५जी/६ के तहत भी आरोप तय किया था। १२ नवम्बर २०२१ को सत्र अदालत ने गायत्री, आशीष शुक्ला व अशोक तिवारी को उम्र कैद की सजा सुनाई, जबकि बाकी आरोपियों रूपेश्वर उर्फ रूपेश, चंद्रपाल, विकास वर्मा व अमरेंद्र सिंह उर्फ पिंटू को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। २० सितम्बर को हाईकोर्ट की लखनऊ बैंच के न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति मो. फैज आलम खान की खंडपीठ के सामने पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के साथ–साथ आशीष कुमार शुक्ला व अशोक तिवारी के जमानत की याचिका पर भी फैसला सुनाए जाने के लिए सूचीबद्ध किया गया था. इससे पूर्व १० सितंबर को आरोपियों की ओर से मामले के तथ्यों के साथ–साथ मुख्य रूप से उनके द्वारा जेल में बिताई गई अवधि को भी जमानत का आधार बताया गया था. वहीं राज्य सरकार के अधिवक्ता ने बहस के दौरान जमानत दिए जाने का विरोध किया था। इसके बाद कोर्ट ने २० सितम्बर शुक्रवार के लिये फैसला सुरक्षित कर लिया था। आज हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई करते हुए बेंच ने जमानत याचिका खारिज कर दी. गायत्री खनन घोटाले समेत कई आपराधिक मामलों में जेल में बंद हैं लेकिन उसके खिलाफ दर्ज रेप का यह मामला सबसे संगीन माना जाता है।

कांग्रेस को 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह', शहरी नक्सली चला रहे हैं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी को ''टुकड़े–टुकड़े गिरोह'' और शहरी नक्सली चला रहे हैं। मोदी ने 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के एक साल पूरे होने पर महाराष्ट्र के वर्धा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आज आप जिस कांग्रेस को देखते हैं, यह वह पार्टी नहीं है जिसके साथ महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्ति जुड़े थे।'' मोदी ने कहा, ''कांग्रेस में नफरत का भूत घुस गया है।'' उन्होंने कहा, ''आज की कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा अंतिम सांस ले चुकी है।'' मोदी ने कांग्रेस नेताओं द्वारा विदेश में दिए भाषणों के ''भारत विरोधी एजेंडे'' पर भी बात की। उन्होंने

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना यह बात की। गांधी आरक्षण प्रणाली पर अमेरिका में अपनी टिप्पणी को लेकर सत्तारूढ़ सरकार की आलोचना का सामना कर रहे हैं।

अखिलेश राज में हर जिले का बड़ा माफिया व गुंडा सपा से जुड़ा थाः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि हर जिले का बड़ा माफिया व गुंडा सपा से जुड़ा था। माफिया समानांतर सरकार चलाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव करते थे, तो

बबुआ (अखिलेश यादव) घर से बाहर नहीं निकलता था। १२ बजे सोकर उठता था। जनता पिसती थी। मुस्लिम तुष्टिकरण की हद को पार करते हुए पर्व व त्योहारों में इन लोगों ने अराजकता फैलाई थी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जन्माष्टमी के आयोजनों पर इन्होंने थाना, पुलिस लाइन, जेलों में रोक लगा दी थी। कहते थे कि जन्माष्टमी में भजन न गाओ। हरे रामा, हरे कृष्णा की धुन कुछ लोगों को पसंद नहीं थी, इसलिए सपा इसे बैन करती थी। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाती होली, दीवाली, रक्षाबंधन–शिवरात्रि, रामनवमी –जन्माष्टमी को बैन कर दिया था। दुर्गा पूजा में अयोध्या का दंगा हर किसी ने देखा। सपा सरकार में देवकाली मंदिर में मूर्ति चोरी हो गई थी। बतौर सांसद गोरखपुर से आकर मैंने आंदोलन किया था। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश भारत के विकास का बैरियर माना जाता था। अराजकता चरम पर थी। विकास योजनाओं में भेदभाव व महापुरुषों का अपमान होता था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने साढ़े सात वर्ष में विकास के कार्यों को तेज गति से बढ़ाया। आज फोरलेन, टू लेन सड़कें, गांव की बेहतर कनेक्टिविटी, गांव–मजरे में बिजली–पानी की व्यवस्था दिखती है। योगी ने कहा, सपा के लोग गो तस्करी, वनों की कटान, जमीन कब्जा कराते थे, लेकिन आज जमीनों से कब्जे हट चुके हैं। हमारी सरकार ने २०१७ के बाद एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स बनाया और सपा के भू माफिया–गुंडों से ६४ हजार हेक्टेयर लैंड को मुक्त कराया। भदरसा में भी जमीन को कब्जामुक्त कराया गया है। गुर्गों से जमीन मुक्त कराने पर परेशानी हुई तो सरगना कहता है कि अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ है। यहां जमीन घोटाला नहीं हुआ, बल्कि किसानों को १७०० करोड़ रुपये मुआवजा बांटा गया है। यह लोग अपने गुर्गों के काले कारनामों के पक्ष में बोल रहे हैं। एक भी मामला ऐसा नहीं है, जहां पीड़ित को मुआवजा न मिला हो। बात दें मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उप चुनाव होने हैं, यहां के विधायक अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है।

सम्पादकीय

जन विश्वसनीयता और सहमति सरकार ऐसे तकाजों की परवाह नहीं करती।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रिय योजना 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसका अर्थ यह है कि अब सरकार इस योजना को लागू करने की दिशा में काम करेगी। यह कैसे होगा, इसका मोटा खाका रामनाथ कोविंद कमेटी ने बनाया था। उसके मुताबिक लोकसभा चुनाव वाले वर्ष में सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी कराए जाएंगे। कोविंद कमेटी ने जब अपनी रिपोर्ट पेश की थी, तब भी इससे ज्यादा स्पष्टता नहीं बनी थी, ना कैबिनेट के हरी झंडी देने के बाद अब इसका पूरा ब्लू प्रिंट उभरा है। इसलिए कहा जाएगा कि अभी तक यह योजना महज एक इरादा ही है। सत्ता पक्ष चाहता, तो महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विधानसभाओं के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करवा कर इस योजना को अधिक विश्वसनीय बना सकती था। लेकिन बाकी बातें तो दूर, हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के साथ–साथ महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी नहीं कर जा सके। वैसे भी भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख बहाल करने की है। पहला मुद्दा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सुनिश्चित करने का था, जिसमें होनी वाली नियुक्ति प्रक्रिया को पिछले वर्ष सरकार ने मनमाने ढंग से बदल दिया। आम चुनाव के दौरान आयोग का रुख लगातार सवालों के घेरे में रहा। आयोग ने मतदान प्रतिशत बताने में जैसी देर की और बाद में गिरे वोटों की संख्या में जितनी वृद्धि बताई गई, उससे साख का संकट खड़ा हुआ है। चुनाव परिणाम को लेकर जैसे प्रश्न इस बारे उठे, वैसा भारत के चुनावी इतिहास में कभी नहीं हुआ था। इसके अलावा धन का कसता जा रहा शिकंजा चुनावों के प्रातिनिधिक दायरे को लगातार सिकोड़ रहा है। अब इसी पृष्ठभूमि में वन नेशन, वन इलेक्शन योजना सरकार ले आई है। स्वाभाविक है कि सहज गले लगाने के बजाय जनमत का एक बड़ा हिस्सा इसे विरोध भाव के साथ देखेगा। जन विश्वसनीयता और सहमति किसी लोकतंत्र के संचालन की पूर्व शर्त होती हैं। मगर वर्तमान सरकार ऐसे तकाजों की परवाह नहीं करती। फिर उसने वही नजरिया दिखाया है।

सपा प्रमुख ने ताजमहल के रखरखाव पर उठाये सवाल, कहाः वैश्विक स्तर पर धूमिल हो रही देश की छवि

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को ताजमहल के रखरखाव पर सवाल उठाया और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला करते हुए कहा कि सरकार सिर्फ एक स्मारक नहीं बल्कि एक जीता–जागता

उदाहरण होना चाहिए। यादव ने एक्स पर एक वायरल वीडियो भी साझा किया जिसमें ताजमहल के गुंबद से एक पौधा निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यह पौधा बड़ा हुआ तो इसकी जड़ की वजह से ताज में दरार आ सकती है। सपा प्रमुख ने लिखा, "विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले अजूबे ताजमहल के रखरखाव को लेकर भाजपा सरकार एवं उसके सुसुप्त निष्क्रिय विभाग पूरी तरह से नाकाम हैं। मुख्य गुंबद पर लगे कलश की धातु में जंग लगने की आशंका है। मुख्य गुंबद से पानी टपक रहा है। गुंबद में पेड़ उग आने का समाचार सुर्खियों में है। इन जैसे पेड़ों की जड़ें अगर विकसित हुईं तो ताजमहल में दरारें आ सकती हैं। उन्होंने लिखा, "ताजमहल का परिसर बंदरों के लिए अभयारण्य बन गया है। ताजमहल परिसर में जलभराव की समस्या है। पर्यटकों की परेशानी यह है कि वे ताजमहल निहारें या समस्याओं से निपटें। इन सब कारणों से दुनिया भर से आनेवाले पर्यटकों के बीच देश की छवि वैश्विक स्तर पर धूमिल होती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, " सवाल यह है कि ताजमहल के रखरखाव के लिए जो करोड़ों का फंड आता है, वह कहां जाता है? सरकार एक जीता–जागता सक्रिय उदाहरण होना चाहिए, कोई स्मारक भर नहीं।

ज्ञानवापी एक स्ट्रक्चर मात्र नहीं, ज्ञान प्राप्ति का माध्यम और साक्षात भगवान विश्वनाथ का प्रतीकः सीएम योगी

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने आदि शंकर की ज्ञान साधना के लिए उनकी काशी यात्रा के एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि काशी में स्थित ज्ञानवापी कूप मात्र एक स्ट्रक्चर नहीं है बल्कि वह ज्ञान प्राप्ति का माध्यम और साक्षात भगवान विश्वनाथ का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि काशी में ज्ञान साधना के लिए आए आदि शंकर को भगवान विश्वनाथ ने एक अछूत चंडाल के रूप में दर्शन दिया और अद्वैत व ब्रह्म के संबंध में ज्ञानवर्धन किया। सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की ५५वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की १०वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में २० सितम्बर शाम श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के विराम पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान किस रूप में दर्शन दे दें, यह कोई नहीं जानता। इस संबंध में एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल से निकले संन्यासी आदि शंकर को जब लगा कि वह अद्वैत ज्ञान में परिपक्व हो गए हैं तो वह ज्ञान अर्जन भगवान विश्वनाथ की पावन नगरी के लिए काशी पधारे। एक सुबह जब वह गंगा स्नान के लिए जा रहे थे तो भगवान विश्वनाथ अछूत माने जाने वाले चंडाल के रूप में उनके मार्ग में आ गए। आदि शंकर ने जब कथित अछूत को मार्ग से हटने को कहा तो उन्हें जवाब मिला कि आप तो अद्वैत शिक्षा में पारंगत हैं। आप तो ब्रह्म सत्य है कि बात करते हैं। यदि आपके भीतर का मेरा ब्रह्म अलग–अलग है तो आपका अद्वैत सत्य नहीं है। क्या आप मेरी चमड़ी देखकर अछूत मानते हैं। तब आदि शंकर को यह पता चला कि यह तो वही भगवान विश्वनाथ दे रहे हैं जिनकी खोज में वह काशी आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि कथा का मतलब सिर्फ सुनना नहीं है बल्कि इसकी शिक्षाओं को जीवन के आचरण में उतारना भी है। श्रीमद्भागवत महापुराण या अन्य कथाएं हमें भारत की समृद्ध परंपरा, प्राचीनता, संस्कृति और इतिहास पर गौरव की अनुभूति कराती हैं। पांच हजार वर्षों से इन कथाओं का श्रवण भारत में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मप्राण देश है। भारत की आत्मा धर्म में है और यह धर्म सनातन धर्म है। सनातन धर्म की कथाएं सामाजिक एकता और राष्ट्रीय एकात्मता के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार केरल के एक वामपंथी नेता जो केरल के मुख्यमंत्री भी हुए उन्होंने एक टिप्पणी लिखी थी। उन्होंने लिखा था कि जब उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता ली तब कहा गया था कि भारत एक राष्ट्र नहीं भारती राष्ट्रीयता का समूह

है। पर जब वह भारत पश्चिम से लेकर पूर्व तक, उत्तर से लेकर दक्षिण तक घूमने निकले तब उन्होंने हर ओर समृद्ध विरासत को, मठों को और मंदिरों को देखा। उन्हें पता चला कि केरल से निकले एक संन्यासी ने देश के चारों कोनों में चार धर्म पीठों की स्थापना की। दक्षिण से निकले संन्यासी ने बिना भेदभाव भारत में व्यापक धर्म जागरण का अभियान चलाकर सबको जोड़ने का काम किया। तब समझ में आया कि जिन्हें हम मठ और मंदिर बोलते हैं, वह केवल उपासना के केंद्र नहीं हैं बल्कि राष्ट्रीयता के आधार हैं। भारत की आत्मा इनमें निवास करती है। वास्तव में भारत भले ही पूर्व में रजवाड़ों में बंटा रहा हो, पर यह एक सांस्कृतिक इकाई के रूप में ही रहा है। यह एक नहीं होता तो आदि शंकर देश के चारों कोनों में पीठों की स्थापना नहीं कर पाते। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत एक नहीं होता तो जगतगुरु रामानंदाचार्य जगह–जगह पीठों की स्थापना के जागरण का अभियान नहीं चला पाते। उन्होंने हर जाति के भक्तों को जोड़ा। उनके शिष्यों में एक तरफ रविदास थे तो दूसरी तरफ कबीरदास। इसी तरह दक्षिण से निकले रामानुजाचार्य ने पूरे भारत में लोगों को जोड़ने का अभियान चलाया। सीएम योगी ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ समेत हमारे आचार्यों, संतों, ऋषियों, मुनियों ने भारत को एकता के सूत्र में बांधने की परंपरा को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि हमारे यहां एक तरफ विध्वंसक परंपरा चली जिन्हें असुर बोला गया। अलग–अलग कालखंड में उसके नमूने हमें रावण, कंस या दुर्योधन के रूप में देखने को मिले। दूसरी तरफ दैवीय सत्ता से ओतप्रोत ऋषियों और मुनियों की परंपरा, धार्मिक यात्राओं की परंपरा भी साथ–साथ चली। उन्होंने कहा कि यह भारत को जोड़ने की ही परंपरा है कि उत्तर का व्यक्ति गंगोत्री से जल लेकर रामेश्वरम जाता है जबकि रामेश्वरम का व्यक्ति केदारनाथ जलाभिषेक करने आता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण व इस तरह की अन्य कथाओं से हमें जीवन को समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। पांच हजार वर्ष से इन कथाओं ने कोटि–कोटि मानवों के उद्धार का का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों और आचार्य की स्मृतियां को जीवंत बनाए रखने के लिए हम भावपूर्वक कथाओं का आयोजन करते हैं। मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा सुनाने के लिए अमेरिका से सीधे गोरखपुर आए कथा व्यास काशीपीठाधीश्वर डॉ. राम कमल वेदांती जी के प्रति आभार भी व्यक्त किया। कथा के विराम सत्र में सीएम योगी ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग के निर्वतमान आचार्य प्रो. सीबी सिंह की पुस्तक का विमोचन भी किया। कथा के दौरान कार्यक्रम कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यास पीठ की पूजा की और कथा विराम के उपरांत आरती उतारी। गोरखनाथ मंदिर में सात दिनों तक श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, श्रीराम मंदिर गुरुधाम काशी से पधारे जगद्गुरु अनंतानंद द्वाराचार्य काशीपीठाधीश्वर स्वामी डॉ. रामकमल दास वेदांती जी ने कराया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महंत नारायण गिरी, स्वामी विद्या चौतन्य, महंत धर्मदास, राम दिनेशाचार्य समेत अनेक संत, यजमानगण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में दिव्यांग छात्र को मिला फोन एक अज्ञात व्यक्ति ने छीना, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में एक दिव्यांग छात्र को दिया गया स्मार्ट फोन किसी व्यक्ति ने कथित तौर पर उससे छीन लिया। एमएमएच कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी करने वाले मनोज को बुधवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लाभार्थी होने की वजह से स्मार्ट फोन दिया गया था। जब वह मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल से बाहर आ रहा था, तो किसी ने उसका स्मार्ट फोन वाला डिब्बा छीन लिया और भाग गया। जिले के अफजलपुर पावटी गांव के निवासी मनोज के मुताबिक मोबाइल फोन छीने जाने पर उसने शोर मचाया लेकिन लाउडस्पीकर की आवाज में कोई उसकी आवाज नहीं सुन सका। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में घंटाघर कोतवाली में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस संबंध में अपर पुलिस आयुक्त रितेश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने १८ सितंबर को रोजगार मेला कार्यक्रम के तहत युवाओं को ६००० स्मार्ट फोन और टैबलेट बांटे थे।

प्रदेश के 73 जिलों में 'हाईटेक नर्सरी' लगाएगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने फलों और सब्जियों की उपज बढ़ाने के लिए एक और बेहतरीन पहल की है। इससे ना केवल सब्जियों और फलों की उपज बढ़ेगी, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी सुधरेगी। योगी सरकार के इस खास पहल के तहत नोएडा और गाजियाबाद को छोड़कर हर जिले में पौधशालाएं बनाए जाएंगे। प्रदेश सरकार राज्य के दो जिलों को छोड़कर बाकी ७३ जिलों में हाईटेक नर्सरी (पौधशाला) बनाएगी। संबंधित जिले के कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) के अनुसार फलों और सब्जी की कौन सी प्रजातियां वहां के लिए अनुकूल हैं, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिले के कृषि विज्ञान केंद्र जिन विश्वविद्यालयों से ये केवीके संबद्ध हैं और उद्यान विभाग मिलकर इसका निर्णय लेंगे। जानकारी के अनुसार पौधशालाएं मनरेगा की मदद से बनेंगी। अब तक ऐसी ३६ पौधशालाएं तैयार हो चुकी हैं। शीघ्र ही १६ और पौधशालाओं पर काम शुरू होगा। इन हाईटेक पौधशालाओं में पौधे को नियंत्रित तापमान और नमी में तैयार किया जाता है, लिहाजा पौधे स्वस्थ होते हैं। ऐसे में इनके रोपण से उपलब्ध सब्जियों और फलों की उपज तो अधिक होती ही है, गुणवत्ता में भी ये बेहतर होती हैं और इनके दाम भी वाजिब मिलते हैं। उत्पाद का सही दाम मिलने से किसानों और बागवानों की आय बढ़ेगी। किसानों और बागवानों के हित में सरकार की जो भी योजनाएं

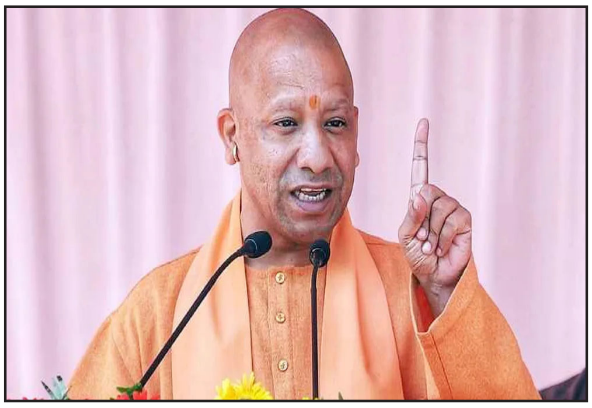

चल रहीं हैं, उनका अंतिम लक्ष्य भी यही है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर ही आधारित है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में फलों और सब्जियों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैज्ञानिक स्तर पर यह साबित हो चुका है कि फल और सब्जियां प्रति हेक्टेयर, स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार के मौके उपलब्ध कराती हैं। प्रसंस्करण को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या और अधिक हो जाती है। इनमें विटामिंस और फाइबर प्रचुर मात्रा में मिलते हैं, इसलिए पोषण सुरक्षा में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। इन सबमें इन हाईटेक पौधशालाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। नौ तरह के एग्रो क्लाइमेटिक जोन होने के कारण उत्तर प्रदेश में हर तरह की फलों और सब्जियों की खेती की संभावना है। प्रदेश की कुल भूमि का करीब ७७ प्रतिशत खेती योग्य है। खेती योग्य भूमि का करीब ८५ फीसदी सिंचित है। सबसे अधिक आबादी के रूप में श्रम शक्ति और बाजार भी उपलब्ध है। इस सबकी वजह से यहां फलों और सब्जियों की खेती की भरपूर संभावना है। योगी सरकार का कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी खासा जोर है। एक्सप्रेसवे का नेटवर्क, जेवर, अयोध्या और कुशीनगर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और प्रयागराज से वाराणसी, पश्चिमी बंगाल के हल्दिया तक का देश का इकलौता जलमार्ग इन संभावनाओं को और बढ़ा देता है। भविष्य में योगी सरकार की योजना इस जलमार्ग का विस्तार अयोध्या तक करने की है। सरकार जिस तरह दादरी, गोरखपुर सहित १३ जिलों में कार्गो हब बनाने की तैयारी कर रही है, उससे इनके निर्यात की संभावना और बढ़ जाएगी।

'कांग्रेस और राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद भूल गए हैं भाषा की मर्यादा', अखिलेश के बयान पर भड़के केशव मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच लगातार वार–पलटवार कौ दार देखने को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मठाधीश और माफिया वाली टिप्पणी को लेकर भाजपा उनपर हमलावर है। अखिलेश ने शुक्रवार को फिर एक बार बिना नाम लिए सीएम योगी पर वार किया। अखिलेश ने कहा कि भाषा से पहचानिए असली संत महंत, साधु वेष में घूमते जगह में धूर्त अनंत। इसी को लेकर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव आप कांग्रेस के मोहरा और राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद से भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और आपके बयानबाजी से केवल संपूर्ण संत समाज का ही नहीं प्रदेश की २५ करोड़ जनता का भी अपमान हो रहा है। ऐसे बयान के लिए आप सार्वजनिक रूप से क्षमा माँगें। आपकी भाषा ही सपा को समाप्त वादी पार्टी बनायेगी। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि हर जिले का बड़ा माफिया एवं गुंडा सपा से जुड़ा था। उन्होंने पिछली सपा सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि माफिया समानांतर सरकार चलाकर अराजकता एवं गुंडागर्दी का तांडव करते थे तो बबुआ (यहां उनका आशय शायद सपा प्रमुख अखिलेश यादव से था) घर से बाहर नहीं निकलता था। योगी ने कहा कि बबुआ १२

बजे सोकर उठता था। जनता पिसती थी। आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर में एक जनसभा में कहा कि हर जिले का बड़ा माफिया एवं गुंडा सपा से जुड़ा था, उसका पदाधिकारी या शागिर्द था। उन्होंने कहा कि मुस्लिम तुष्टिकरण की हद को पार करते हुए पर्व एवं त्योहारों में इन लोगों ने अराजकता फैलाई थी तथा होली, दीवाली,रक्षाबंधन–शिवरात्रि, रामनवमी–जन्माष्टमी पर पाबंदी लगा दी थी। एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि इन्होंने थाना, पुलिस लाइन एवं जेलों में जन्माष्टमी के आयोजनों पर रोक लगा दी थी।

कोर वोट के लिए संगठन को मजबूती देने में जुटीं मायावती

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में जीरो पर आउट होने के बाद बसपा ने अब उपचुनाव के जरिए खड़े होने की ठानी है। अपना कैडर वोट संभालने के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती एक बार फिर से अपनी टीम को एक्टिव करने में जुटी हैं। इसी क्रम में वह १६ सितंबर को पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उपचुनाव के लिए रणनीति तैयार करेंगी। पार्टी फोरम से मिली जानकारी के अनुसार, बैठक में मंडल से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों को बुलाया गया है। मायावती, पार्टी मुख्यालय में होने वाली बैठक में नए सिरे से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की समीक्षा करेंगी, साथ ही वह १० विधानसभा सीटों के उपचुनाव की तैयारियों को भी परखेंगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने बताया कि १६ सितंबर को पार्टी सुप्रीमो मायावती ने पूरे प्रदेश के पाधिकारियों की एक बैठक बुलाई है। पार्टी का एजेंडा और रणनीति क्या है बैठक में ही पता चलेगी। राजनीति के जानकर बताते हैं कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद मायावती लगातार बैठक कर संगठन की मजबूती पर ध्यान दे रही हैं। उनका विशेष फोकस उत्तर प्रदेश में है। उन्हें पता है कि उपचुनाव का अगर परिणाम उनकी पार्टी के

पक्ष में आता है तो २०२७ में उनके लिए यह अ क्सीजन होगा। इस कारण वह संगठनात्मक गतिविधियों पर खुद नजर बनाए हुए हैं। १६ सितंबर को लखनऊ में होने वाली बैठक में सभी जिलों के अध्यक्ष, मंडल कोअ र्डिनेटर के साथ सेक्टर प्रभारी और बामसेफ के मुखियों को मौजूद रहने को कहा गया है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि २००७ के विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से सत्ता में आने वाली बसपा की १८वीं लोकसभा चुनाव में हालात बहुत खराब हो गई। पार्टी का मत प्रतिशत तो गिरा ही साथ में उसका वोट बैंक भी फिसल गया। उन्होंने बताया कि २०१४ और २०२४ में बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ी थी। दोनों चुनावों में मिले मतों को देखा जाए तो दलित मत शिफ्ट होने की स्थिति साफ हो रही है। चुनावी आंकड़ों को देखें तो इनके पास २०१४ में १९.७७ फीसद मत प्रतिशत मिला था। जबकि २०२४ में ६.३६ प्रतिशत मत प्रतिशत बचा। दोनों चुनावों में बसपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन २०१६ में पार्टी गठबंधन में १० सीटें पाकर १६.४३ फीसद वोट प्रतिशत को बरकरार रखा था। उन्होंने कहा कि मायावती को लगता है आरक्षण वाले मुद्दे को उठाकर दलित वोट बैंक को फिर अपनी ओर किया जा सकता है। इसी कारण वह इस कवायद में लगातार जुटी हैं। उपचुनाव की तैयारी भी जोर शोर से कर रही हैं। उन्हें अपने वोट बैंक को बचाने में कितनी कामयाबी मिलती है यह तो परिणाम बताएंगे।

वृंदावन के पास मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण २९ ट्रेन रद्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पलवल–मथुरा सेक्शन के बीच वृंदावन रोड स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण उत्तर रेलवे ने दिल्ली के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली तीन एक्सप्रेस एवं मेल ट्रेनों को रद्द कर दिया है तथा २६ एक्सप्रेस व मेल ट्रेन के मार्ग परिवर्तित कर दिये। जिन ट्रेन को रद्द किया गया और जिनका मार्ग परिवर्तित किया गया है उनकी सूची जारी करते हुए उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कि एनसीआर में आगरा डिवीजन के मथुरा जंक्शन–पलवल सेक्शन पर वृंदावन रोड–अझई स्टेशन के बीच ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण कई ट्रेन अस्थायी रूप से रद्द या मार्ग परिवर्तित किया गया है। जिन प्रमुख ट्रेन के मार्ग परिवर्तित किये गये हैं उनमें नयी दिल्ली– हैदराबाद, नयी दिल्ली–ताम्बरम, हजरत निजामुद्दीन–मुंबई बांद्रा टर्मिनस, अमृतसर जंक्शन–मुंबई बांद्रा टर्मिनस, और हजरत निजामुद्दीन– जबलपुर शामिल हैं। रेलवे के अनुसा अठारह सितंबर को वृंदावन रोड स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के कोयले से लदे २५ डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे रेल की तीन लाइन अवरुद्ध हो गईं और इस मार्ग पर रेल यातायात के लिए फिलहाल केवल एक ही लाइन उपलब्ध है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अन्य लाइनों को भी जल्द से जल्द साफ करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सुल्तानपुर लूट कांड में मंगेश यादव के बाद एक और एनकाउंटर, एक लाख के इनामी बदमाश घायल

लखनऊ। सुल्तानपुर की ज्वेलरी शप लूट कांड मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। इस लूट में शामिल एक बदमाश को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गुरुवार को एनकाउंटर में घायल कर दिया है। इस एनकाउंटर में अजय यादव नामक बदमाश घायल हुआ है जिस पर एक लाख रुपए का इनाम भी रखा गया था। बदमाश के पैर में गोली लगी है। घायल होने के बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले पुलिस इस घटना में शामिल एक बदमाश को एनकाउंटर में मार चुकी है।

भेड़ियों को नहीं पकड़ पा रहे तो एसटीएफ को ठोकने के लिए कह दो: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को योगी सरकार कटाक्ष किया है। अखिलेश यादव ने एसटीएफ को 'सरेआम ठोको फोर्स' करार देते हुए कहा कि आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने के लिए इसे बहराइच भेजा जाना चाहिए। अखिलेश यादव गुरुवार को भेड़ियों के हमले से परेशान जिलों के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद से ही जानवरों का आतंक बढ़ रहा है। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यूपी में जानवरों की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा था कि पूरा रोडमैप तैयार है लेकिन अब हमले बढ़ गए हैं। जंगल के आसपास के जिलों में हमले बढ़ गए हैं। अब गीदड़ और भेड़िए से बहराइच और आसपास के जिलों के लोग खौफ में हैं। उन्होंने योगी सरकार पर गरीबों से भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि जानवरों के हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को १० लाख रुपये और घायलों को पांच लाख रुपये दिए जाएं। जानवरों की समस्या से निपटने के लिए एसटीएफ बनाई जाए। उन्होंने सवाल उठाते हुए

कहा कि वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट के लिए जारी किए गए अरबों रुपये कहां गए। भेड़ियों को नहीं पकड़ पा रहे तो एसटीएफ को ठोकने के लिए कह दिया जाए। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार हर बात छिपाना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान अलग आ रहे हैं। मैंने कभी भी किसी साधु–संत के लिए कुछ नहीं कहा है। जिसे क्रोध आता है वो योगी कैसे हो सकता है। इसलिए मैं कहता हूं कि हमारे सीएम मठाध ीश मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि मेरी और सीएम योगी की तस्वीर सामने रख लो, देखकर पता चल जाएगा कि मठाधीश कौन है। उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर कहा कि अभी तो महिला आरक्षण को लेकर भी प्रस्ताव पेश किया था, वो कब से लागू करने जा रहा है। १८,६२६ पन्नों की रिपोर्ट को १६१ दिनों में तैयार किया गया है। इससे पता चलता है कि इन लोगों ने किस तरह की चर्चा की होगी। ये भाजपा का प्रस्ताव है जिसका मकसद "वन नेशन, वन इलेक्शन और वन डोनेशन" है। अखिलेश यादव ने सीएम योगी के बयानों पर कहा, "सपा को बीजेपी बदनाम करना चाहती है। हिंदू–मुस्लिम करने से बीजेपी को लाभ होता है। वहीं, नवादा की घटना पर उन्होंने कहा कि बहुत दुःखद घटना है, भाजपा डबल स्टैंडर्ड है।

राहुल गांधी के बयान का बवाल जारी, कांग्रेस मुख्यालय के पास भाजपा ओबीसी मोर्चा ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ओबीसी मोर्चा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान आरक्षण पर कथित टिप्पणी के खिलाफ शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। विरोध मार्च का नेतृत्व दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और कमलजीत सहरावत ने किया। प्रदर्शनकारियों को एक बड़े बैनर के साथ कांग्रेस मुख्यालय की ओर मार्च करते देखा गया। उन्होंने गांधी का पुतला भी जलाया और माफी की मांग करते हुए उनके खिलाफ नारे लगाए। गुरुवार को, दिल्ली भाजपा ने गांधी के खिलाफ तीन अलग–अलग पुलिस शिकायतें दर्ज की थीं, जिनमें भारत में सिखों की स्थिति पर उनकी 'विभाजनकारी और उत्तेजक टिप्पणियां' और उनकी हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान आरक्षण समाप्त करने की टिप्पणी भी शामिल थी। गांधी के खिलाफ शिकायत दिल्ली भाजपा के सिख सेल, एससी मोर्चा और एसटी मोर्चा द्वारा विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई थी। इससे पहले, कांग्रेस ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से जुड़े नेताओं के गांधी पर निशाना साधने वाले हालिया बयानों को लेकर बुधवार को यहां तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली भाजपा के सिख प्रकोष्ठ, एससी मोर्चा और एसटी

मोर्चा ने गांधी के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में शिकायतें दर्ज कराई हैं। सचदेवा ने कहा, ''अमेरिका में राहुल गांधी के सिखों के बारे में दिए गए बयान से देश में समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं जबकि आरक्षण संबंधी उनकी टिप्पणी से अनुसूचित जातियां नाराज हैं।'' दिल्ली भाजपा के सिख प्रकोष्ठ के चरणजीत सिंह लवली द्वारा गांधी के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भारत में सिखों की ''कथित'' स्थिति के बारे में कांग्रेस नेता की टिप्पणियों ने ''भारत में सिखों के बीच अलगाववाद की भावना को बढ़ावा दिया है।''

एएसआइ जगन्नाथ मंदिर 'रत्न भंडार' का तकनीकी सर्वेक्षण शनिवार से फिर शुरू करेगा : एसजेटीए

भुवनेश्वर। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) शनिवार से पुरी में १२ वीं सदी के एतिहासिक मंदिर के 'रत्न भंडार' का पुरातात्विक सर्वेक्षण करेगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने यह जानकारी दी। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सर्वेक्षण २१, २२ और २३ सितंबर को अपराह्न एक बजे से शाम छह बजे तक किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। सर्वेक्षण कार्य के दौरान अपराह्न एक बजे से शाम छह बजे तक मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे।'' सूत्रों के अनुसार, इससे पहले १८ सितंबर को एसजेटीए ने एएसआई महानिदेशक को पत्र लिखकर दशहरा और कार्तिक माह में देवताओं के विशेष अनुष्ठानों के मद्देनजर रत्न भंडार का तकनीकी

सर्वेक्षण २४ सितंबर तक पूरा करने का अनुरोध किया था। उन्होंने एएसआई से तय समय में सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने का भी अनुरोध किया। एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक जाह्नवीज शर्मा के नेतृत्व में १७ सदस्यीय तकनीकी टीम ने रत्न भंडार का पहले चरण में प्रारंभिक निरीक्षण किया था। टीम में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) हैदराबाद के विशेषज्ञ भी शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने 'लेजर स्कैनिंग' की तथा रत्न भंडार का विस्तृत मूल्यांकन करने के लिए टीम ने उच्च तकनीक वाले यंत्र और अन्य वैज्ञानिक उपकरणों का इस्तेमाल किया। निरीक्षण के दौरान बुधवार को एएसआई टीम और एसजेटीए के मुख्य प्रशासक के अलावा रत्न भंडार सूची समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ भी मौजूद थे।

बुरी फंसी स्वाति मालीवाल! भ्रष्टाचार मामले में याचिका HC ने कर दी खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने डीसीडब्ल्यू की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल की दिसंबर २०२२ में उनके खिलाफ आरोप तय करने के खिलाफ याचिका खारिज कर दी। मामला डीसीडब्ल्यू में कर्मचारियों की नियुक्ति में अनियमितताओं से जुड़ा है। स्वाति मालीवाल पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख के तौर पर अपने आधि कारिक पद का दुरुपयोग करते हुए महिला अधिकार निकाय में विभिन्न पदों पर आप से जुड़े लोगों की नियुक्ति की थी। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने मालीवाल के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया। ८ दिसंबर, २०२२ को ट्रायल कोर्ट ने मालीवाल और तीन अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की

धारा १३(१)(डी) (लोक सेवक द्वारा आपराधिक कदाचार) सहित अन्य प्रावधानों के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था। यह मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने डीसीडब्ल्यू की पूर्व अध्यक्ष और भाजपा विधायक बरखा शुक्ला सिंह की शिकायत पर दर्ज किया था। पिछले साल उच्च न्यायालय ने आपराधिक मामले में मालीवाल के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने एक–दूसरे के साथ साजिश रचते हुए अपने आधि कारिक पद का दुरुपयोग किया और AAP कार्यकर्ताओं के लिए आर्थिक लाभ प्राप्त किया, जिन्हें उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना विभिन्न कॅ पदों पर नियुक्त किया गया था।

वक्फ बोर्ड ने दिल्ली के 6 मंदिरों पर ठोंका अपना दावा!

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड की हड़पने वाली नीति ने अब देश की राजधानी दिल्ली में स्थिति मंदिरों को भी नहीं बख्शा है। देशभर में वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस चल रही है। जेपीसी में इस पर चर्चा चल रही है। तमाम मांगों और दावों के बीच दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग की एक रिपोर्ट सुर्खियों में आ गई है। साल २०१६ में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने एक फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट जारी की थी। दिल्ली के छह मंदिरों पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा ठोंका है। मंदिर से जुड़े लोगों का दावा है कि ये मंदिर वक्फ एक्ट बनने से पहले ही बना हुआ था। अब सवाल ये है कि किसका दावा सही है? जिसके पास जरूरी और सही दस्तावेज होंगे, उसका दावा ही सही माना जाएगा। लेकिन सवाल ये भी है कि क्या वक्फ बोर्ड अपनी शक्ति का गलत इस्तेमाल कर रहा है। अल्पसंख्यक आयोग की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। २०१६ में अल्पसंख्यक आयोग की रिपोर्ट में दावा किया गया कि दिल्ली के कई मंदिर वक्फ की जमीन पर बने हुए हैं। २०१६ की इस रिपोर्ट को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट करार दिया था और द लीगल स्टेटस ऑफ रिलिजियस स्पेसेज अराउंड वेस्ट दिल्ली नाम दिया था। इस रिपोर्ट के १५६ पेज पर दावा है कि दिल्ली के बीके दत्त क लोनी स्थित सनातन धर्म मंदिर वक्फ बोर्ड की जमीन पर बना है। ये हाल तब है जब मंदिर का निर्माण १४ दिसंबर १९६१ में हुआ था। मंदिर का शिलान्यास खुद भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री ने अपने हाथों से किया था। यानी भारत में वक्फ एक्ट आने से ३४ साल पहले मंदिर का निर्माण हुआ था। इसी तरह दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग की रिपोर्ट के पेज ३५ पर दावा किया गया है कि दिल्ली के मंगलापुरी स्थित प्राचीन शिव मंदिर और शमशान घाट भी वक्फ बोर्ड की जमीन पर बनाए गए हैं। इसी रिपोर्ट में पेज ३६ में दावा किया गया कि मंगलापुरी स्थित शिव शक्ति काली माता मंदिर का निर्माण भी वक्फ की जमीन पर हुआ है। जमीन पर दावा हिंदुओं का नहीं बल्कि वक्फ बोर्ड का है। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग की इस रिपोर्ट में दिल्ली के कई सारे मंदिरों पर दावा किया गया है। कहा गया कि वक्फ की जमीन पर ये मंदिर बने हैं। रिपोर्ट को फैक्ट फाइंडिंग करार दिया गया। लेकिन सच ये है कि ये मंदिर भारत में वक्फ एक्ट आने से कई दशक पहले बन चुके थे।

पीएम मोदी ने डिजिटल पेमेंट के जरिए खरीदी भगवान जगन्नाथ की कलाकृति

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के वर्धा में राष्ट्रीय 'पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम प्रदर्शनी' के दौरान भगवान जगन्नाथ की मूर्ति खरीदी। खास बात यह है कि पीएम मोदी ने डिजिटल पेमेंट के जरिए खरीदारी की। इसका वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, पीएम मोदी विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के बाद 'पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम प्रदर्शनी' में गए। जहां कारीगरों और शिल्पकारों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। इस दौरान पीएम मोदी ने उनसे बातचीत की और एक शिल्पकार से भगवान जगन्नाथ की कलोंति खरीदी। उन्होंने क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई के जरिए कलोंति को डिजिटल भुगतान करके खरीदी। वीडियो में पीएम मोदी शिल्पकार से पूछ रहे हैं कि आपसे मुझे क्या खरीदना चाहिए। इसके बाद कारीगर पीएम मोदी को भगवान जगन्नाथ की कलोंति खरीदने के लिए कहता है। पीएम मोदी यूपीआई के जरिए भुगतान करते हैं, उनसे पूछते हैं कि पेमेंट मिल गया क्या? प्रधानमंत्री मोदी के मूर्ति खरीदने और डिजिटल भुगतान करने का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम की सराहना कर रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने वर्धा में पीएम विश्वकर्मा

योजना की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा कि ये वो कांग्रेस नहीं है, जिससे कभी महात्मा गांधी जैसे महापुरुष जुड़े थे। ये वो कांग्रेस है, जिसे टुकड़े–टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल के लोग चला रहे हैं। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी में आस्था और संस्ेति का जरा सा भी सम्मान होगा वो पार्टी कभी गणपति पूजा का विरोध नहीं कर सकती। आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। महाराष्ट्र की धरती गवाह है कि आजादी की लड़ाई में लोकमान्य तिलक के नेतृत्व में गणपति उत्सव भारत की एकता का उत्सव बन गया था। गणेश उत्सव में हर एक समाज और हर वर्ग के लोग एक साथ जुड़ते थे। इसलिए कांग्रेस पार्टी को गणपति पूजा से भी चिढ़ है। उन्होंने आगे कहा कि मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस के तुष्टिकरण का भूत जाग उठा। कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी। तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस कुछ भी कर रही है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने गणपति बप्पा को ही सलाखों के पीछे डाल दिया। गणपति की जिस मूर्ति की लोग पूजा कर रहे थे, पुलिस वैन में कैद करवा दिया। देश गणपति जी के अपमान को देखकर आक्रोशित है। मैं हैरान हूं कि इस पर कांग्रेस के सहयोगी के मुंह पर भी ताला लग गया है।

तिरुपति लड्डू विवाद के बीच पवन कल्याण क्यों कर रहे श्सनातन धर्म रक्षण बोर्डश बनाने की मांग, पूरा समझिए

नई दिल्ली। तिरुमाला के लड्डू प्रसादम विवाद को लेकर बवाल मचा हुआ है। वहीं, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने ट्वीट कर राष्ट्रीय स्तर सनातन धर्म रक्षण बोर्ड बनाने की मांग कर दी है। यह मुद्दा उन दावों के बाद और बढ़ गया है कि तिरुमाला मंदिर में चढ़ाए जाने वाले पवित्र श्प्रसादमश में मछली का तेल, सूअर का मांस और गोमांस की चर्बी सहित पशु वसा मिलाया गया था। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, जन सेना पार्टी प्रमुख ने अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तिरुपति बालाजी प्रसाद में कथित तौर पर पशु वसा पाए जाने के रहस्योद्घाटन से हम सभी बहुत परेशान हैं। पवन कल्याण ने आगे लिखा कि टीटीडी बोर्ड द्वारा कई प्रश्न अनुत्तरित हैं, जिसका गठन पिछली वाईसीपी सरकार द्वारा किया गया था। कल्याण ने यह भी आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश सरकार निष्कर्षों के जवाब में कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने पूरे भारत में मंदिर संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए श्सनातन धर्म रक्षण बोर्डश के गठन की वकालत करते हुए राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'भारत में सभी मंदिर मामलों को देखने के लिए एक बोर्ड स्थापित करने का समय आ गया है,' उन्होंने कहा कि स्थिति नीति निर्माताओं, धार्मिक नेताओं, न्यायपालिका, नागरिकों और मीडिया को शामिल करते हुए व्यापक बहस की मांग करती है। जन सेना पार्टी प्रमुख ने कहा कि प्रसाद की गुणवत्ता हमेशा काफी बेहतर होती है और अगर आपको एक छोटी सी बाइट भी मिल जाए तो यह हर किसी के लिए महाप्रसाद के समान है। यह बड़ी श्रद्धा से किया गया। उन्होंने कहा कि प्रसाद के लिए चुनी गई सामग्री बहुत विश्वसनीय समूहोंद्ध कंपनियों से प्राप्त की जाती है। हर चीज बहुत अच्छी तरह से संरचित तरीके से प्राप्त की जाती है। किसी ने भी उस हिस्से का उल्लंघन करने की हिम्मत नहीं की, बदलने की हिम्मत नहीं की। उन्होंने कहा कि प्रसाद बनाने के लिए आपको प्रतिदिन १५,००० किलोग्राम घी की आवश्यकता होती है। उनका दावा है कि उन्होंने विक्रेताओं को बदल दिया क्योंकि यह १००० रुपये से अधिक है और उन्होंने इसे बदल दिया और इसे कम कर दिया। कल्याण ने कहा कि उन्होंने बताया कि उन्हें ३६०–४०० रुपये में सप्लाई दी जाती थी। घी ऊंचे दाम पर बनता है। तो, वे इतना सस्ता घी कैसे प्राप्त कर सकते थे?... लोग नियमित रूप से उस गंध के बारे में शिकायत कर रहे थे जो प्रसाद के साथ सामान्य नहीं है। मैंने सोचा कि कोई भी इस प्रकार की शिकायतों का उल्लंघन करने की हिम्मत नहीं करेगा लेकिन मैं टीटीडी में अन्य चीजों पर विचार कर रहा था। उन्होंने कहा कि हम प्रसाद की गुणवत्ता और टीटीडी की कार्यप्रणाली को लेकर चिंताएं जताते रहे हैं। जब हमने सरकार बनाई और कहा कि हम टीटीडी को पुनर्जीवित करना चाहते हैं और नमूने भेजे, तो हमें एहसास हुआ कि पशु वसा, मछली का तेल, गोमांस वसा और सुअर वसा वहां थे। हम आहत और स्तब्ध हैं। अभिनेता से नेता बने कल्याण ने कहा कि जब लोग मंदिर की पवित्रता के प्रति कोई प्रतिबद्धता नहीं रखते, कोई मूल्य नहीं रखते और कोई सम्मान नहीं करते, अगर वे कार्यभार संभालते हैं तो यही होता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्रसाद के बारे में नहीं है, शायद शराब और न न–वेज की आपूर्ति की गई थी, लोग वहां पार्टियां कर रहे थे। ये सभी बातें सामने आईं। उन्होंने कहा कि जब सरकारें और बोर्ड अच्छा काम नहीं कर रहे हैं, तो भारत में कोई अन्य निगरानी तंत्र होना चाहिए। अगर किसी भी प्रकार की मूर्तियों का अपमान होता है, मंदिर की पवित्रता बरकरार नहीं रहती है तो सनातन ध र्म परिरक्षण बोर्ड आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म परिरक्षण बोर्ड आवश्यक है क्योंकि जब आप राजनीतिक समूहों को छोड़ देते हैं, तो ऐसी घटनाएं नियमित आध ार पर होने की संभावना होती है। इसे विफल करने और स्थायी समाध ान खोजने के लिए, मुझे लगता है कि सनातन धर्म परिरक्षण बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शायद मैं अपने कैबिनेट के साथ–साथ सीएम से भी बात करूंगा। मैं व्यक्तिगत रूप से इसे आगे बढ़ाऊंगा। हम सनातन धर्म परिरक्षण बोर्ड जैसा कुछ गठित करेंगे, यह जरूरी है। मैं इसे अगली कैबिनेट बैठक में लूंगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान? प्रियंका गांधी ने लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान करने का आरोप लगाया। इसको लेकर प्रियंका गांधी ने एक एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि कुछेक भाजपा नेताओं और मंत्रियों की अनर्गल और हिंसक बयानबाजी के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जीवन की सुरक्षा के लिए चिंतित होकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे जी ने प्रधानमंत्री जी को एक पत्र लिखा। गांधी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री की आस्था अगर लोकतांत्रिक मूल्यों, बराबरी के संवाद और बुजुर्गों के सम्मान में होती तो इस पत्र का जवाब वह खुद्द देते। इसकी बजाय उन्होंने जेपी नड्डा की ओर से एक हीनतर और आक्रामक किस्म का जवाब लिखवा कर भिजवा दिया। उन्होंने सवाल किया कि बयासी बरस के एक वरिष्ठ जननेता का निरादर करने की आखिर क्या जरूरत थी? उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की परंपरा और संस्ेति, प्रश्न पूछने और संवाद करने की होती है। धर्म में भी गरिमा और शिष्टाचार जैसे मूल्यों से ऊपर कोई नहीं होता। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि आज की राजनीति में बहुत जहर घुल चुका है, प्रधानमंत्री को अपने पद की गरिमा रखते हुए, सचमुच एक अलग मिसाल रखनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि अपने एक वरिष्ठ सहकर्मी राजनेता के पत्र का आदरपूर्वक जवाब दे देते तो जनता की नजर में उन्हीं की छवि और गरिमा बढ़ती। यह अफसोस की बात है कि सरकार के ऊँचे से ऊँचे पदों पर आसीन हमारे नेताओं ने इन महान परंपराओं को नकार दिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह संसदीय परंपराओं और मानदंडों को नहीं समझती हैं। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष हैं और हम उनका सम्मान करते हैं। जेपी नड्डा जी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

क्या कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष भाजपा अध्यक्ष से ऊपर हैं? मल्लिकार्जुन जी राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं जबकि जेपी नड्डा जी राज्यसभा में सदन के नेता हैं।'' मंत्री ने कहा, ''ऐसे लोगों के लिए एक सबक है जो संसदीय परंपराओं और मानदंडों को नहीं समझते हैं हम सभी भारत के नागरिक हैं और हम सभी समान हैं। हम वंशवादी संस्ेति नहीं थोपते हैं।'' उन्होंने कहा, ''किसी ऐसे व्यक्ति को अपशब्द न कहें जो बहुत वरिष्ठ हैं और जिनके पास सार्वजनिक जीवन का लंबा अनुभव है तथा जो १४० करोड़ भारतीय नागरिकों के प्रधानमंत्री है। नड्डा ने पिछले दिनों खरगे की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र के जवाब में बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राजनीति का असफल उत्पाद (फेल्ड प्रोडक्ट) हैं और उन्हें महिमामंडित करना खरगे की मजबूरी है। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में मांग की थी कि प्रधानमंत्री को राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक और विवादित बयान देने वाले नेताओं पर कार्रवाई करनी चाहिए।

जम्मू कश्मीर के बडगाम में खाई में गिरी ठैथ की बस, ३ जवानों की गई जान, कई घायल

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ब्रेल वाटरहेल इलाके में चुनाव ड्यूटी में लगी एक बस के पहाड़ी सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के तीन जवानों की मौत हो गई और ३२ अन्य घायल हो गए। बस में सवार ३५ बीएसएफ जवानों में से छह गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटना में चालक भी घायल हो गया। बस चुनाव के दूसरे चरण के लिए जा रही थी, तभी यह दुर्घटना हुई। घायलों की सहायता के लिए तत्काल बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए बडगाम के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत २५ सितंबर को और तीसरे एवं अंतिम चरण के तहत एक अक्टूबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती आठ अक्टूबर को की जाएगी। जम्मू–कश्मीर में बुधवार को पहले चरण का विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण रहा और करीब ५६ प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अनुच्छेद–३७० के निरस्त होने के बाद जम्मू–कश्मीर में हो रहे पहले विधानसभा चुनाव में पहले चरण में कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।

अमित शाह ने कहा हम नक्सलवाद को खत्म करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। अमित शाह ने कहा कि आप लोग मेरे घर पर आए हैं। आपसे बड़ा कोई मेहमान मेरे घर पर नहीं आ सकता था। अमित शाह ने कहा कि जीवन में कई कठिनाईयों के बावजूद आप लोग हौसले के साथ खड़े हैं। आप लोग प्रयास कर रहे हैं कि जो दुख आपके जीवन में आया है, वह दूसरों के जीवन में न आए। नक्सलवाद किसी भी प्रकार से न तो मानवता के लिए हितकारक है और न ही देश की आंतरिक सुरक्षा के अनुकूल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किया है कि नक्सलवाद और इसके विचारों को मूल समेत उखाड़ के फेंक देंगे। बस्तर के चार जिलों को छोड़कर देश में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार को सफलता मिली है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि छत्तीसगढ़ के चार जिलों से

नक्सलवाद को पूर्ण रूप से खत्म कर दिया जाएगा। देश से नक्सलवाद को अंतिम विदाई देने के लिए ३१ मार्च २०२६ तय किया गया है। केंद्र सरकारी सभी योजनाएं आप तक पहुंचाएगी। अमित शाह ने कहा मैं (नक्सलियों) से अपील करता हूं कि वे कानून के सामने आत्मसमर्पण करें, अपने हथियार छोड़ दें। पूर्वोत्तर और कश्मीर में कई जगहों पर कई लोगों ने अपने हथियार छोड़ दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। मुख्यधारा में शामिल होने के लिए आपका भी स्वागत है, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इसके खिलाफ अभियान शुरू करेंगे और इसमें सफलता भी मिलेगी। अमित शाह ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स लिखा, "नक्सलियों ने अपने फायदे के लिए अनेक लोगों के अधिकारों को तो छीना ही, साथ ही उनकी गोलियों और बारूदों ने कई लोगों को मौत के घाट उतारा या जीवन भर के लिए दिव्यांग बना दिया। कुछ लोगों को हथियार उठाने वालों के ह्यूमन राइट्स तो दिखते हैं, पर उनकी हिंसा के शिकार लोगों के ह्यूमन राइट्स नहीं दिखते।

Deputy CM ब्रजेश पाठक ने की बड़ी कार्रवाई, CHC सिधौली के अधीक्षक को हटाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने की बड़ी कार्रवाई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली के अधीक्षक को हटाया। अधीक्षक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तंबौर किया ट्रांसफर। शासन स्तर पर कठोर विभागीय कार्रवाई करने की बात कही। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, विभागीय संवेदनशील मामलों को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में न लाने तथा चिकित्सकीय कार्यों व पदीय दायित्वों में लगातार लापरवाही बरतने संबंधी प्रकरण का संज्ञान होने पर मेरे द्वारा दिए गये आदेश के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीतापुर द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली के अधीक्षक को तत्काल हटाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तंबौर में स्थानांतरित कर दिया गया है। गंभीर व अक्षम्य कृत्य हेतु इनके विरुद्ध शासन स्तर पर कठोर विभागीय कार्यवाही भी की जायेगी।

पनकी में स्कूटी सवार दंपती पर चढ़ाई कार. अस्पताल में भर्ती, आरोपी वाहन छोड़कर भाग

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पति व बच्चे के साथ स्कूटी से घर लौट रही महिला को गंगागंज में तेज रफ्तार कर ने पीछे से टक्कर मार दी। सड़क पर गिरे दंपती पर कार चढ़ा आरोपित मौके से भाग निकले। पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर

पुलिस गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपितों की तलाश कर रही है। रतनपुर विस्तार योजना भाग एक निवासी श्वेता सक्सेना के मुताबिक गत १७ सितंबर की रात सुंदर नगर मायके से पति दीपक व तभी वर्षीय बेटे के साथ स्कूटी से घर लौट रही थी। तभी गंगागंज भाग तीन में एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। घटना में श्वेता पति व बच्चे समेत सड़क पर जा गिरी। मौके से भागने की फिराक में उन पर कर चढ़ा दी। श्वेता के शोर मचाने पर दौड़े राहगीरों को अपनी ओर आता देख आरोपित कार सवार मौके पर गाड़ी छोड़कर भाग निकले। घटना में घायल दंपती को राहगीरों ने पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि गाड़ी नंबर के आधार पर विधिक करवाई की जा रही है।

'पलिया क्षेत्र की जनता ने भरी हुंकार जल्द हो बाढ़ का स्थाई समाधान नहीं तो पूरे पलिया क्षेत्र का होगा चक्का जाम'

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। समाजसेवी रवि गुप्ता ने पलिया क्षेत्र को बाढ़ की तबाही से बचाने के लिए पलिया क्षेत्र की सभी प्रमुख संस्थाओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया! पलिया के गोल्डन पैलेस में! जिसमें संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारी अपनी पूरी टीम के साथ शामिल हुए! और सभी संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारियों ने बाढ़ की मार झेल रहे पलिया क्षेत्र को कैसे बचाया जाए इस पर अपने–अपने विचार एवं सुझाव रखे! शारदा नदी की डिशिल्टिंग, शारदा नदी के दोनों तरफ बांध बनाने, एवं सुहेली व शारदा बैराज के फाटक खोले जाने एवं क्षेत्र की टूटी हुई सड़कों को पूरी तरीके से पुलिया समेत बनाकर चालू करने की मांग पारित हुई! प्रमुख मांगों को ना माने जाने के उपरांत संपूर्ण पलिया क्षेत्र चक्का जाम एवं बंदी व जन आंदोलन के लिए पलिया क्षेत्र की जनता ,व्यापारियों एवं किसानों को साथ लेकर एक बैनर के तले '(पलिया क्षेत्र बचाओ अभियान)' जिसमें समस्त पलिया क्षेत्र निवासी एक साथ जोरदार तरीके से पलिया क्षेत्र को बाढ़ की मार से बचाने के लिए कार्य करेंगे! प्रमुख संस्थाओं के पदाधिकारियों का एक डेलिगेशन मुख्यमंत्री जी से मिलकर उन्हें क्षेत्र की पूरी समस्याओं से अवगत कराएगा! संस्थानों में प्रमुख रूप से व्यापार मंडल मिश्रा गुटके नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनूप मिश्रा महामंत्री संदीप बंसल, पलिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीश द्विवेदी , व्यापार मंडल कंछल गुट के तहसील अध्यक्ष राजेश गुप्ता, बस यूनियन के सचिव बॉबी भैया, ट्रक यूनियन अध्यक्ष सुनील चटवाल, रोटरी क्लब अध्यक्ष गगन मिश्रा, गुरुद्वारा श्री सिंह सभा पलिया के हरपाल सिंह हरवंदर सिंह बलवीर सिंह, हिंदू युवा वाहिनी के राजकुमार राठौर सक्षम शुक्ला सत्येंद्र मिश्रा, डॉक्टर एसोसिएशन के डॉक्टर ए के अवस्थी, मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपी पांडे महामंत्री शैलेंद्र श्रीवास्तव, पालियाड समिति के संस्थापक दर्शन हिंदुस्तानी, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, युवा संघर्ष समिति के अध्यक्ष जसवीर फ्लोरा, समाजसेविका श्रीमती तनुजा सिंह, संजय गुप्ता ,मेहर चंद अरोड़ा, राम प्रकाश भास्कर, कमलनाथ, रितेश अग्रवाल ,चांद कुमार जैन, उमेश गुप्ता,विपिन गुप्ता ,इंद्रजीत सिंह गिल , जितेंद्र सिंह गोल्डन, अमन गुप्ता, उमेश पांडे, अनिल जलालाबादी, मोहित गर्ग, विक्की चंदेल ,अंकित अग्रवाल, नीरज गोयल,समेत तमाम लोग मौजूद रहे! संस्थाओं की निर्णायक बैठक जल्द होगी!

एल.पी.एस. ने मनाया फाउंडर्स डे

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी/लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस की सभी शाखाओं की छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने आज फाउंडर्स डे मनाया । महाप्रबंधक प्रधानाचार्यों को समाज निर्माण में अपना श्रेष्ठतम योगदान करते रहने का आह्वान किया। दृष्टि सामाजिक संस्थान और ज्योति भारतम संस्थाओं को भोजन बर्तन–थाल, सीलिंग फैन, आयरन, कंबल, बेडशीट

हर्षित सिंह और शिखर पाल सिंह के दिशा निर्देशन में औषधीय पौधों के साथ– साथ अन्य पौधों को लगाया गया। कक्षाओं में बच्चों ने हरित कोना बनाया। वृंदावन सेक्टर– ६ शाखा ने गोमती नगर स्थित जीवाश्रय में पालतू जानवरों के लिए उपयोगी वस्तुओं व खाद्य पदार्थों को भेंट किया। आम्रपाली योजना के शाखा के छात्रों ने आज स्कूल के आसपास जाकर पौधा वितरित किया । पारा स्थित हेड अ फिस में भी पौधारोपण किया गया । असेनी मोड़, बाराबंकी शाखा में संस्थापक – अध्यक्ष डॉ. एस.पी. सिंह (सांसद) ने अपने प्रेरक व्याख्यान के माध्यम से शिक्षकों और ,तौलिया, प्रेशर कुकर और मजदूरों को शर्ट पैंट , साड़ी– ब्लाउज, पेटीकोट एवं खाने पीने के सामान वितरित किए गए। डॉ. एस.पी.सिंह के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। उपनिदेशक मीना टांगड़ी ने डॉ. एस पी सिंह की कार्यशैली पर आधारित स्वरचित कविता 'सुभानल्लाह' सुनाई बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। इस अवसर पर पूर्व एम.एल.सी. कांति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, निदेशक नेहा सिंह व गरिमा सिंह,उपनिदेशक मीना टांगड़ी, सभी प्रधानाचार्य, निरीक्षक मंडल एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे।

युवक की पीट-पीटकर हत्या...हमला करते वीडियो वायरल

कानपुर। गोविंद नगर थानाक्षेत्र में एक युवक को गवाही देने से रोकने के लिए हिस्ट्रीशीटर के भाइयों ने धारदार हथियार और लोहे की रॉड से सरेराह पीट–पीटकर कर उसकी नृशंस हत्या कर दी। युवक गवाही न देने की धमकी मिलने पर अपनी बहन के साथ थाने में शिकायत करके घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में घात लगाए आरोपियों ने हमला कर दिया। एक आरोपी का हमला करते वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पुलिस ने हत्या करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि फरार एक आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही है। रतनलाल नगर स्थित महादेव नगर बस्ती निवासी गांजा तस्कर विकास उर्फ मैडी गोविंदनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। वर्तमान में वह जेल में बंद है। हिस्ट्रीशीटर के भाई विक्रम और विवेक पर भी आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। हिस्ट्रीशीटर व उसके भाई पड़ोस में रहने वाले साहिल व उसकी बहनों मुस्कान, मोनी, सोनी, मोहिनी पर कई बार हमला कर चुके हैं। बीते वर्ष साहिल पर कुल्हाड़ी से हमला करने में हिस्ट्रीशीटर और उसके भाइयों को जेल भेजा गया था। १५ दिन पहले विक्रम और विवेक जेल से छूटकर आए हैं। मुस्कान ने बताया कि मामले की २४ सितंबर को कोर्ट में गवाही है। जेल से छूटकर आने के बाद आरोपी गवाही न देने का दबाव बना रहे थे। इंकार करने पर गुरुवार रात आरोपियों ने घर में घुसकर हमला कर दिया। शुक्रवार को वह ३० वर्षीय भाई साहिल के साथ गोविंदनगर थाने शिकायत करने गई थी, वहां से लौटने के दौरान सीटीआई नहर शास्त्री चौक सबस्टेशन के पास विवेक, विक्रम ने अपने साथी अक्षय, विशाल के साथ घेर लिया और लोहे की र ड व ध ारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार साहिल पर कर दिए। जिससे वह लहूलुहान होकर बेसुध हो गया। बचाने पर आरोपियों ने उसके भी कपड़े फाड़ दिए। इलाकाई लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने साहिल को हैलट भेजा, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। हत्याकांड की सूचना पर डीसीपी और एसीपी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी खंगालने शुरू किए और वायरल वीडियो जांच शुरू की। इस संबंध में गोविंदनगर प्रभारी निरीक्षक प्रशांत मिश्रा ने बताया कि आरोपी विशाल, विक्रम, अक्षय और विवेक को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि फरार एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मोदी का जन्मदिन मनाने पर भड़की क्रांगेस की यह नेता कहा.यह क्या खाक पढ़ायेंगे?

लखनऊ। देश में हाल में ही प्रधानमंत्री का जन्मदिन जगह–जगह बड़ी धूम–धाम से मनाया गया। ऐसे में लखनऊ यूनिवर्सिटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन मनाया जा रहा है। इस वीडियो में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार भी और कुछ विश्वविद्यालय का कुछ प्रोफेसर और कर्मचारी साफ–साफ दिख रहे हैं। जहां कार्यालय में नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगाई गई है आस–पास फुलों से सजावट भी की गई है। वहीं बगल में एक महिला संस्ेत गीत गाकर नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस पर एक तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने अपने अ फिशियल एक्स अकाउंसट से एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने सरकारी संस्थानों पर आरएसएस के कब्जे का आरोप लगाया है। सुप्रिया श्रीनेत ने पोस्ट में लिखा

कि राहुल गांधी लगातार कहते हुए चले आ हैं कि संस्थानों में ै के लोग भर कर कब्जा किया जा रहे हैं। यह बात लखनऊ यूनिवर्सिटी की है। चांसलर राज्यपाल आनंदीबेन, ट्ब आलोक कुमार राय नरेंद्र मोदी के जन्मदिन मना रहे हैं। उनकी तस्वीर की आरती उतार रहे हैं। यह क्या खाक पढ़ायेंगे? आपको बता दें कि यह वायरल वीडियो १७ सितंबर है। जिस दिन च्ड नरेंद्र मोदी का जन्मदिन था। विश्वविद्यालय में इस दौरान प्रधानमंत्री का जन्म दिन मनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें तमाम फैकल्टी मेंबर्स, राज्यपाल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय थे। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ही च्ड मोदी के जन्मदिन पर केक काटा। इसके अलावा विश्वविद्यालय के सोशल वर्क डिपार्टमेंट के पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ में भी मोदी के जन्मदिन पर सेवा और शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। बख्शी का तालाब के सोनवा गांव में कुलपति आलोक कुमाल राय ने मोदी के जन्म दिन का केट भी काटा था साथ ही उन्होंने दोपहर में वहां के बच्चों के साथ भोजन भी किया।

टीबी मरीजों को गोद लेंगे योगी सरकार के अधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तपेदिक रोग यानी की टीबी से ग्रसित १२५ मरीजों को गोद लेंगे। ैळच्ळप् में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में टीबी मरीजों को गोद लेने के साथ सभी मरीजों को निरुक्षय पोटली वितरित की जाएगी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता में वृद्धि और टीबी कार्यक्रम को जनांदोलन बनाने की प्राथमिकता के साथ प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए सूबे की सरकार के प्रयास जारी हैं। सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और प्रयासों के फलस्वरूप, टीबी मुक्त प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे निरुक्षय मित्र के साथ–साथ निरुक्षय पोषण योजना सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। निरुक्षय पोषण योजना के अंतर्गत, टीबी मरीजों को हर माह पोषण सहायता राशि के रूप में ५०० रुपए सीधे उनके खाते में भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में ३६,१५१ निक्षय मित्रों के माध्यम से लगभग ३,३०,६८५ टीबी रोगियों की मदद की जा रही है। प्रमुख सचिव ने लोगों से अपील की कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को

जनआन्दोलन बनाते हुए सभी को अपने सम्बद्ध कार्यालयोंध्संस्थानों के माध्यम से टीबी जैसे गंभीर रोग के बारे में हर स्तर पर जागरूकता फैलाने के संभव प्रयास करने होंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस रोग को हराने के लिए टीबी मरीजों की हर संभव सहायता की जाए। यदि हम सब एक साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करें तो टीबी मुक्त प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

एसजीपीजीआई डॉक्टर को किया डिजिटल अरेस्ट, पाकिस्तान और बांग्लादेश के नंबरों से की ट्रेडिंग

लखनऊ। एसजीपीजीआई की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को डिजिटल अरेस्ट कर २.८१ करोड़ की ठगी करने वाले जालसाजों ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और दुबई के नंबरों से यूएसटीडी और बिटक्वाइन की ट्रेडिंग की थी। अब तक पकड़े गये १६ आरोपियों में ४ इंजीनियर, दो लॉ ग्रेजुएट, दो ई–कॉमर्स ग्रेजुएट, एक बैंक प्रबंधक, एक बैंक सिक्योरिटी सुपरवाइजर और एक असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल है। गिरोह का नेटवर्क ओड़िशा, बिहार, राजस्थान और यूपी में फैला है। आरोपियों के मोबाइल से यह खुलासा हुआ कि डिजिटल अरेस्ट कर एसजीपीजीआई की डॉक्टर से वसूली करने वाले गिरोह ने अपना पूरा नेटवर्क टेलीग्राम पर बना रखा था। उसी पर एक–दूसरे से ठगी से संबंधित जानकारी साझा करते थे। डार्क वेब के जरिये लोगों का डाटा खरीदते थे। ताकि उनकी जानकारी गोपनीय रहे और आसानी से ट्रेस न हो सकें। एसटीएफ १६ आरोपियों को पकड़ चुकी है। बुधवार को जिन पांच आरोपियों को जेल भेजा था उसमें ऋषिकेश कुमार उर्फ मयंक, गोपाल कुमार उर्फ रोशन, गणेश कुमार, मणिकांत पांडेय और राजेश गुप्ता शामिल हैं। एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि ये आरोपी आपस में टेलीग्राम पर जुड़े थे। वहां पर सभी ने अपने फेक नाम रखे हुए थे। उन्हीं ग्रुपों में लोगों का डाटा डाला जाता है। नौ सेना में संविदाकर्मी है गोपाल डॉ. रुचिका को जब डिजिटल अरेस्ट किया था तो कॉल पर सीबीआई अफसर बनकर गोपाल ने बात की थी। साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि गोपाल नौ सेना में संविदा पर टेक्निकल टीम में है। वह आईएनएस भेलसुरा जामनगर गुजरात में कंप्यूटर आपरेटर के पद पर २०१६ से काम करता था। एक साल पहले वहां से भाग निकला। इसके बाद पटना जाकर एक ठेकेदार के साथ मिलकर मिट्टी का काम करने लगा। वहीं, से साइबर ठग गिरोह के संपर्क में आया। नौ सेना के संबंधित अधिकारियों को इस बारे में रिपोर्ट भेजी जाएगी। एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक ठगी के बाद रकम को ठिकाने लगाने के लिए जालसाजों ने कई विदेशी नंबरों का प्रयोग किया। इसमें पाकिस्तान केस ६२ नंबर शामिल है। जिनसे यूएसटीडी और बिटक्वाइन की ट्रेडिंग की गई। इनके अलावा दुबई, बांग्लादेश, चीन और आसपास के कई देशों के करीब १७५ नंबर का प्रयोग किया गया। एसटीएफ इसकी जांच कर रही है। वहीं, डिजिटल, कारपोरेट, करंट और ट्रेडिंग के नाम पर खुले करीब १०० बैंक खातों का प्रयोग कर रुपये ठिकाने लगाए गए। एसटीएफ के अधिकारी ने बताया कि जालसाजों ने डॉ. रुचिका टंडन को झांसे में रखने के लिए आधे–आधे घंटे की ड्यूटी बांट रखी थी। इसके लिए ओडिशा, बिहार, यूपी के कई जिलों से उनसे अधिका बनकर बात करते थे।

२ घंटे चली बैठक में हुआ फैसला, हजारों कर्मचारियों की मांगें होंगी पूरी

लखनऊ। नगर निगम में कार्यरत करीब १२ हजार कर्मचारियों की २१ मांगे दीपावली से पहले पूरी हो जायेंगी। इस बात पर शुक्रवार को नगर आयुक्त और कर्मचारी संगठनों के बीच हुई बैठक के बाद सहमती बन गई है। यह जानकारी नगर निगम जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र ने दी है। दरअसल, नगर निगम कर्मचारियों की कई मांगे लंबे समय से पूरी नहीं हो रही थी, जिसके कारण कर्मचारियों ने आंदोलन का मन बना लिया था, आंदोलन की तारीख भी तय हो गई थी। आंदोलन की जानकारी नगर निगम जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र, नगर निगम कर्मचारी संघ अध्यक्ष राजेश सिंह, लखनऊ अध्यक्ष आनन्द वर्मा ने संयुक्त रूप से दी थी। कर्मचारियों की एकजुटता को देखते हुये नगर निगम प्रशासन ने जल्द निर्णय लेने का फैसला लिया और शुक्रवार को गोमती नगर स्थित स्वच्छ भारत मिशन कार्यालय में नगर आयुक्त ने पांच कर्मचारी संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्री व अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की। करीब दो घंटे तक चली बैठक में सभी २१ सूत्रीय मांगों को पूरा करने का आश्वासन नगर आयुक्त की तरफ से कर्मचारी संगठनों को दिया गया है। इसके लिए समय सीमा भी निर्धारित कर दी है। दीपावली से पहले सभी मांगे मान ली जायेंगी।–यह हैं मांगें –रिक्त पदो पर पदोन्नतियां,– कर्मचारी कल्याण कोष की कमेटी का गठन,–कर्मचारियों की गुम व्यक्तिगत पत्रावलियों/सेवा पुस्तिकाओ की डुप्लीकेट (प्रतिरूप प्रति) बनाया जाना,–अतरौली कर्मचारी आवास योजना के तहत कर्मचारियों को नो प्राफिट–नो लॉस पर भूखण्ड/आवास दिया जाना,–काटी गयी भविष्य निधि की धनराशि का भुगतान किया जाना,–पेंशन से संबंधित राज्य सरकार द्वारा समय समय पर निर्गत शासनादेशो को लागू किया जाना, –पेंशनरों पर मैट्रिक पेंशन के अनुसार पेंशन प्रदान किया जाना, –पेंशनरों की उपस्थिति भूतल पर कराया जाना,–रेंट विभाग के अधीन खाली भवन कर्मचारियों को आवंटित किया जाना,–पदो का विभागवार निर्धारण किया जाना, फील्डध्विभागीय कार्य को सम्पादित करने पर विवाद की स्थिति पर न्यायिक प्रक्रिया के लिए अधिवक्ता नियुक्त किया जाना,–निलंबित कर्मचारियों को बहाल किया जाना, –निलंबन आदि पर कर्मचारी संगठनो के प्रतिनिधियों से वार्ता व उनका पक्ष जानकर ही आगे की कार्रवाई किया जाना,–लंबित मृतक आश्रितों को तत्काल नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाना,–मुख्यालय एवं समस्त जोनो में मेज, कुर्सी, पंखे, स्टेश्नरी, अल्मारी, पीने के पानी एवं कैश काउंटर की व्यवस्था किया जाना–१०८ के कर्मचारियों का विनियमीतिकरण किया जाना,– कर्मचारियों के आश्रित पत्नी, पुत्र/पुत्रियो को गृहकर, जलकर/सीवरकर से मुक्त किया जाना।

यूपी की सड़को पर दौड़ेंगे हजारों नई बसें, नवरात्र में परिवहन निगम देगा यात्रियों को सौगात

लखनऊ। रोडवेज के बस बेड़े में ७ हजार नई बसों के आने से यात्रियों का सफर सुगम होगा। इसके साथ ही २२ बस अड्डों को पीपी मॉडल के आधार पर विकसित किया जायेगा। इसके अलावा अन्य बस अड्डों पर यात्री सुविधाओं में इजाफा किया जायेगा। नवरात्र पर परिवहन निगम अपने यात्रियों को ढेर सारी सौगात देगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने गुरुवार को दी। पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि आलमबाग बस अड्डे की तर्ज पर २३ और बस अड्डे पीपीपी म डल पर विकसित किए जाने हैं, जिनकी शुरुआत हो चुकी है। बस अड्डों पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं यात्रियों को मिलेंगी। यात्रियों से इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। साथ ही ५० बस अड्डों को चिह्नित कर सर्वे कराया जा चुका है। इन बस अड्डों की भी कैबिनेट से मंजूरी लेकर पीपीपी मॉडल के आधार पर विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप परिवहन निगम ग्राम स्तर तक बेहतर बस सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुंभ में प्रदूषण मुक्त बसें चलाये जाने की तैयारी है। परिवहन निगम में १० हजार परिचालकों और ५ हजार चालकों तैयार किया जा रहा है। बसों के आने के बाद इनकी जरूरत होगी। आम बजट में सुविधाओं के लिए ५०० करोड़ और कुंभ मेले के लिए १००० करोड़ रुपये मिले हैं। यह राशि नई बसों, यात्री सुविधाओं और रोजगार पर खर्च की जाएगी।

त्वरित व संतुष्टिपरक हो लोगों की समस्याओं का समाधान, बख्शे न जाएं जबरन जमीन कब्जाने वाले : मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में करीब ३०० लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक में यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। जनता दर्शन के दौरान शुक्रवार

सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। पारिवारिक रिश्तों को लेकर विवाद संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि सबसे पहले इसमें सभी पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने की जरूरत है। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktisbZ

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;wjks phQ

eÅ

ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर २ के गाने की शूटिंग का वीडियो वायरल

मुंबई। ऋतिक रोशन जल्द ही अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर २ में नजर आने वाले हैं। वह इन दिनों इटली में इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में कियारा आडवाणी और तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कहा जा रहा है कि वॉर २ का दूसरा शेड्यूल एक्शन से भरपूर होने वाला है, जो दर्शकों के लिए रोमांचक अनुभव लेकर आएगा। हाल ही में इटली में हो रही शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए हैं। इस लीक हुए वीडियो में ऋतिक एक गाने की शूटिंग करते हुए स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कियारा आडवाणी भी फिल्म की

शूटिंग के लिए इटली पहुंच चुकी हैं, जिससे फिल्म की शूटिंग और भी रोमांचक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी का इटली शेड्यूल १६ सितंबर से शुरू होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल लगभग १५ दिनों तक चलेगा। पहले छह दिनों में लेक कोमो, टस्कनी, वेनिस, नेपल्स, अमाल्फी कोस्ट और सोरेंटो प्रायद्वीप जैसी खूबसूरत लोकेशन्स पर एक रोमांटिक गाने की शूटिंग होगी, जिसे संगीतकार प्रीतम ने कंपोज किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाने के सीक्वेंस की शूटिंग के बाद, टीम एक्शन से भरपूर सीक्वेंस और कुछ नाटकीय श्यों की शूटिंग करेगी। यह सब पूरा होने के बाद टीम अक्टूबर की शुरुआत में भारत वापस लौटेगी। वॉर २ के निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी ने हाथों में है। इसका निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे है। इस फिल्म १४ अगस्त, २०२५ को सिनेमाघरों में रिलीज करने की पूरे जोर शोर से तैयारी की जा रही है। यह फिल्म २०१९ की एक्शन थ्रिलर वॉर का सीक्वल है, जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

करीना कपूर ने अपने बेहतरीन पेरेंटिंग हैक्स किए शेयर

मुंबई। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ एक पेरेंटिंग हैक शेयर किया और उन्हें याद दिलाया कि बच्चे के विकास का हर चरण अपनी चुनौतियों के साथ आता है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर करीना ने एक मजेदार संदेश फिर से शेयर किया है। इसमें बताया गया है कि "बच्चे रोते हैं, छोटे बच्चे नखरे करते हैं, बच्चे पलटकर जवाब देते हैं और बच्चे सीमाओं का परीक्षण करते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हो रहे हैं। करीना के शब्द कई लोगों को पसंद आते हैं, जो बच्चों के पालन–पोषण के उतार–चढ़ाव से निपटने वाले साथी माता–पिता को आश्वासन और समर्थन प्रदान करते हैं। उसने इसे कैप्शन दिया सुप्रभात इसे फिर से पढ़ें। निजी जीवन की बात करें तो करीना ने अभिनेता सैफ अली खान से शादी की है। दोनों ने १६ अक्टूबर २०१२ को मुंबई के बांद्रा में एक समारोह में शादी की थी। इस जोड़े के दो बेटे हैं– तैमूर और जेह। सैफ भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी दो छोटी बहनें हैं, डिजाइनर सबा अली खान और अभिनेत्री सोहा अली खान हैं। उनकी पहली शादी अभिनेत्री अमृता सिंह से हुई थी। इस जोड़े के दो बच्चे हैं। अभिनेत्री सारा अली खान और बेटा इब्राहिम। २००४ में वे अलग हो गए। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना आखिरी बार क मेडी फिल्म 'क्रू' में नजर आई थी। इस फिल्म में करीना के साथ तब्बू और कृति सनोन मुख्य भूमिकाओं में थी। राजेश कृष्णन निर्देशित इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा ने अहम किरदार निभाए थे। उनकी अगली फिल्म 'सिंघम अगेन' पाइपलाइन में है। दूसरी ओर, सैफ ने १९९३ में फिल्म 'परंपरा' में मुख्य भूमिका के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा में

सुनील दत्त, विनोद खन्ना, आमिर खान, नीलम कोठारी, रवीना टंडन, अश्विनी भावे, राम्या ष्णा और अनुपम खेर जैसे कलाकार थे। वह 'आशिक आवारा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'कच्चे धागे', 'हम साथ–साथ हैं', 'कल हो ना हो', 'रहना है तेरे दिल में', 'दिल चाहता है', 'एलओसी कारगिल', 'ओमकारा', 'परिणीता', 'ता रा रम पम', 'लव आज कल', 'फैंटम', 'तान्हाजी' और 'विक्रम वेधा' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ५४ वर्षीय अभिनेता को आखिरी बार पौराणिक एक्शन फिल्म 'आदिपुरुष' में देखा गया था। सैफ की अगली फिल्म 'देवरा: पार्ट १' है, जो कोराताला शिवा द्वारा लिखित और निर्देशित तेलुगु एक्शन ड्रामा है। इसे युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में एनटी रामा राव जूनियर मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ जान्हवी कपूर, प्रकाश राज और श्रीकांत भी हैं। उनके पास 'ज्वेल थीफ: द रेड सन चौप्टर' भी है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक